>

Title:Regarding closure of 'Single Post Offices' in the Country.

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने अति लोक महत्व के विषय पर मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि जो एकल पोस्ट ऑफिस हैं जिनको हम उप डाकघर कहते हैं, सरकार ने एक आदेश निकालकर सारे देश में बंद कर दिये हैं। उप डाकघर प्रायः गांवों में हैं क्योंकि शहरों में तो बड़े पोस्ट ऑफिसेज़ सारे देश में हैं लेकिन जो छोटे-छोटे गांव हैं, वहां जो उप डाकघर चलते हैं, उनमें केवल एक पोस्टमैन होता है। कुरियर की सेवाएं भी वहां पर नहीं होती हैं जिनके माध्यम से वे अपनी चिट्ठियां इधर-उधर पहुंचा सकें। सरकार ने इन्हें यह कहते हुए बंद किया है कि उनमें घाटा हो रहा है इसलिए उप डाकघर बंद कर देने चाहिए। मैं सरकार को उदयपुर का एक उदाहरण देना चाहती हूँ जो मेरा संसदीय क्षेत्र है। वहां एक उप डाकघर ऐसा है जहां 5000 आर.डी. अकाउंट्स हैं, करीब 300 सीनियर सिटिज़न्स के अकाउंट्स हैं, 700 एफ.डी. की हुई हैं और इसी तरीके से वहां पर टेलीफोन के बिल करीब 2000 की संख्या में प्रति माह जमा होते हैं। ये सब होते हुए भी उन उप डाकघरों को बंद कर दिया गया, केवल यह कहकर कि ये घाटे में चल रहे हैं। जबकि सही तथ्य यह है कि वह सबसे अच्छा उप डाकघर चल रहा था। इसके बंद होने से वहां के लोगों को परेशानियां हो रही हैं। सरकार इस तरीके से अगर उप डाकघर बंद कर देगी तो गांवों की जनता किस तरीके से कम्यूनिकेट करेगी? वे चिट्ठी लिखते थे, डाकघरों को बैंकों के रूप में इस्तेमाल करते थे, अपना पैसा जमा कराते थे, वे सब सुविधाएं इन्होंने बंद करा दीं। इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि सरकार इस ओर ध्यान दे और इन्हें पुनः शुरू करवाए।